अहिंसा यात्रा प्रेस विज्ञप्ति

तेरापंथ विद्यालय में तेरापंथ के अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी का मंगल पदार्पण

-उल्लसित साहूकारपेटवासियों ने अपने आराध्य का भव्य स्वागत

-ज्ञान, दया और आचरण को जीवन में जाने की आचार्यश्री ने दी पावन प्रेरणा

-विद्यार्थियों, ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों सहित अनेक श्रद्धालुओं ने दी अपनी हर्षाभिव्यक्ति

09.07.2018 साहूकारपेट, चेन्नई (तमिलनाडु): जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशमाधिशास्ता, भगवान महावीर के प्रतिनिधि, अहिंसा यात्रा के प्रणेता, महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी जब से चेन्नई महानगर की उपनगरीय यात्रा को आरम्भ किया है, मानों पूरा चेन्नई महाश्रमणमय बन गया है। जिस किसी भी क्षेत्र में आचार्यश्री के मंगल ज्योतिचरण पड़ते हैं, पूरा क्षेत्र ज्योतित हो उठता है। लोगों के मंगल जयघोष वातावरण को पावन बनाने लगते हैं। श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर होता है। उनके उत्साह का द्योतक बनता है उनका घंटों-घंटों उस पर मार्ग पर पहले ही खड़े हो जाना जिस मार्ग से आचार्यश्री के आगमन की सूचना होती है।

महातपस्वी, अखंड परिव्राजक, अथक श्रम के धनी आचार्यश्री महाश्रमणजी भी श्रद्धालुओं की मनोकामनाओं को पूर्ण करने के लिए एक दिन में तीन से चार विहार, दर्जनों अक्षम श्रद्धालुओं के घर दर्शन देना, सैंकड़ों-सैंकड़ों श्रद्धालुओं के घरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों आदि के समक्ष उन्हें दर्शन और आशीर्वाद लाभान्वित कराने में जुटे हुए हैं। आचार्यश्री की बरसती कृपा से न केवल तेरापंथी परिवार अन्य जैन एवं जैनेतर लोग भी लाभान्वित हो रहे हैं। ऐसे मानवता के मसीहा को अपने बीच पाकर मानों पूरा चेन्नई महानगर आनंद के सागर में समाहित-सा हो गया है।

सोमवार को आचार्यश्री ने अपनी बरसती कृपा को आरम्भ किया ओसवाल गार्डेन से। प्रातः की मंगल बेला में आचार्यश्री ने मंगल प्रस्थान किया। कई श्रद्धालुओं को अपने दर्शन और मंगल आशीष से लाभान्वित बनाते हुए आचार्यश्री साहूकारपेट स्थित तेरापंथ जैन विद्यालय परिसर में पधारे। जहां सैंकड़ों विद्यार्थियों तथा हजारों श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य का भाव भरा अभिनन्दन किया।

विद्यालय परिसर पूरी तरह जनाकीर्ण बना हुआ था। परिसर के मध्य बने मंच पर मंचासीन आचार्यश्री विराजमान हुए। आज के मुख्य प्रवचन कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम मुख्यनियोजिकाजी तत्पश्चात् साध्वीप्रमुखाजी ने लोगों को पावन संबोध प्रदान किया। उसके उपरान्त विद्यालय के छात्रों द्वारा स्वागत गीत का संगान किया गया। स्कूल के चेयरमेन श्री छगन धोका, संवाददाता श्री अशोक मूथा, महामंत्री गौतम डागा, श्री इंद्रचंद डूंगरवाल के अलावा छात्र लकी वी. जैन तथा छात्रा गुड़िया ने आचार्यश्री के चरणों में अपनी भावाभिव्यक्ति दी। विद्यार्थियों ने नमस्कार महामंत्र का उच्चारण किया। साहूकारपेट महिला मंडल ने गीत का संगान किया।

इतने प्रस्तुतियों के उपरान्त आचार्यश्री ने लोगों को अपनी अमृतवाणी का रसपान कराते हुए कहा कि संत से सुन्दर मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। आज इस विद्यालय में आना हुआ है। यह ज्ञान के प्रकाश और सौरभ से भरा रहे। विद्यार्थियों में अणुव्रत का प्रभाव हो, जीवन विज्ञान के द्वारा भावात्मक विकास हो तो जीवन सार्थक बन सकता है। मंगल उद्बोधन के उपरान्त के आचार्यश्री ने साहूकारपेटवासियों को संकल्पत्रयी स्वीकार कराई तथा एक और मुमुक्षु प्रियंका (जयपुर) को 11 नवम्बर को होने वाले दीक्षा समारोह में समणी दीक्षा प्रदान करने की घोषणा की। ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति दी। श्री हेमंत डूंगरवाल ने गीत का संगान किया। इस क्षेत्र से जुड़ी साध्वीवृंद द्वारा भी अपने भावाभिव्यक्ति दी अर्पित की गई।